The ACHIEVERS IAS ACADEMY

LANGUAGE - HINDI

DAILY CURRENT AFFAIR

29 - 12– 2022

THURSDAY

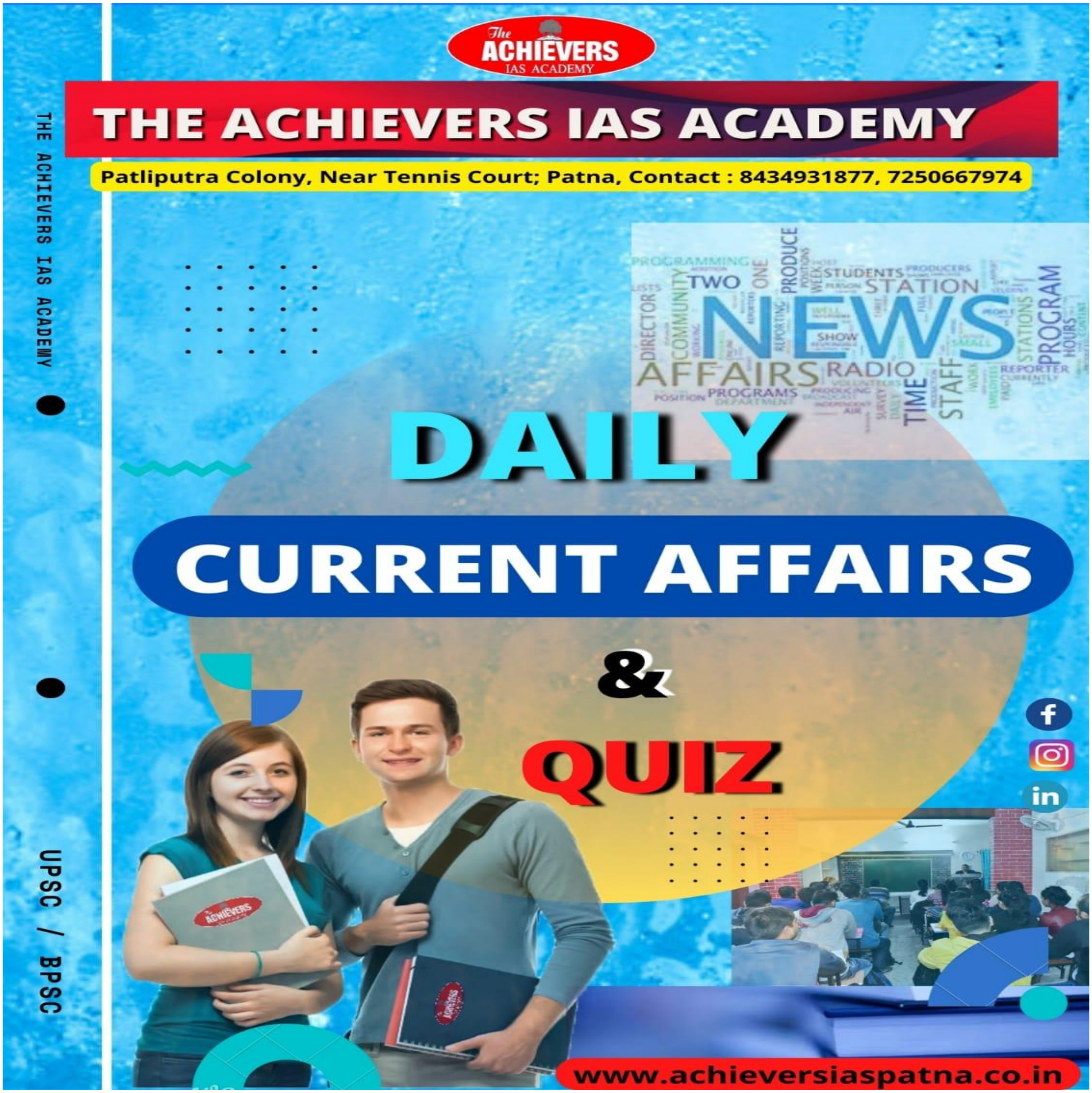

1. H9N2 एवियन इन्फ्लूएंज़ा के लिये पहली स्वदेशी वैक्सीन

कोविड-19 वायरस की स्वदेशी वैक्सीन (Covid-19 Vaccination) की सफलता के बाद भारतीय वैज्ञानिकों ने अब वर्ड फ्लू (Bird Flue Disease)जैसी खततरनाक बीमारी की पहली स्वदेशी वैक्सीन (First Indigenous Vaccine of Bird Flue) का आविष्कार कर लिया है. राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला भोपाल (निशाद) के वैज्ञानिकों ने तीन साल के कठिन परिश्रम के बाद ये सफलता हासिल की है.अब जल्द मुर्गियों और दूसरे पक्षियों को बर्ड फ्लू यानी एवियन एंफ्लुएंजा (एच 9-एन 2) वायरस (Bird Flue Avian Influenza H9N2) से निजात दिलाने के लिये तीन-तीन डोज लगाई जायेंगी. इस प्रकार पोल्ट्री फार्मिंग में नुकसान झेल रहे किसानों को काफी राहत मिलेगी. राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला भोपाल (निशाद) (ICAR-National Institute of High Security Animal Diseases) के वैज्ञानिकों की मानें तो वर्ड फ्लू के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में काम करने वाली ये वैक्सीन मृत वायरस से तैयार की गई है, जिसकी प्रति पक्षी को तीन डोज लगाई जायेगी. इस वैक्सीन की एक ही डोज का असर अगले 6 महीने तक बना रहेगा. इतना ही नहीं, वैक्सीन लगने के बाद मुर्गियों एक दम स्वस्थ रहेंगी, जिससे बिना किसी समस्या के इनके अंडों को खा सकते हैं और बाजार में बेच भी सकते हैं. वर्ड फ्लू की इस वैक्सीन को राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला भोपाल (निशाद) के स्थापना दिवस कार्यक्रम में लॉन्च किया गया है. इस कार्यक्रम में वैक्सीन के बारे में जानकारी देते हुये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डा. बीएन त्रिपाठी ने बताया कि अब जल्द इस वैक्सीन की तकनीक को वैक्सीन निर्माता कंपनियों को सौंपी जायेगा, जिससे जल्द से जल्द वैक्सीन का व्यासायिक उत्पादन हो सके और देश में इसके खतरे को टाला जा सके. वैक्सीन लॉन्च कार्यक्रम में राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला भोपाल (निशाद) के महानिदेशक डा. वीपी सिंह ने बताया कि ये वैक्सीन बर्ड फ्लू जैसा ही एच9-एन2 वायरस को रोकने में भी काफी असरकारी साबित हो सकती है. बता दें कि एच9-एन2 भी एक खतरनाक वायरस है, जिससे रोगग्रस्त मुर्गियां अंडा देना कम कर देती हैं. इस वायरस से मुर्गियों की जान तो नहीं जाती, लेकिन उसकी उत्पादकता काफी प्रभावित होती है. वहीं बर्ड फ्लू के लिये जारी हुई इस वैक्सीन की मदद से एच9-एन2 जैसे कई संक्रमणों से मुर्गियों और मुर्गी पालकों को भी काफी फायदा होगा.

2. भारतीय रेल मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई "अमृत भारत स्टेशन योजना",

रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों को आधुनिक बनाने की नीति तैयार की है. इस योजना में दूरगामी दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के निरंतर विकास की परिकल्पना की गई है. इसके तहत नई सुविधाओं के साथ-साथ मौजूदा सुविधाओं को भी उन्नत किया जाएगा योजना के अनुसार 68 मंडलों में से प्रत्येक के 15 स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा. यह योजना वर्तमान में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत 200 बड़े स्टेशनों के नवीनीकरण की रेलवे की महत्वाकांक्षी योजना के अतिरिक्त है. इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए चरणों में मास्टर प्लान को लागू करना है.रेल मंत्रालय के अनुसार इस योजना के दायरे में उन स्टेशनों को भी लाया जाएगा जहां विस्तृत तकनीकी-आर्थिक व्यवहारिकता का

अध्ययन किया गया है या किया जा रहा है. रेल मंत्रालय ने कहा है कि इस योजना का उद्देश्य गैर-जरूरी या पुरानी इमारतों को किफायती लागत से स्थानांतरित करना है ताकि यात्रियों की सुविधाओं में और सुधार हो सके.यह स्टेशन की आवश्यकताओं और संरक्षण के अनुसार दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार करने और मास्टर प्लान के तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है. इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एमईए) सहित सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न चरणों में मास्टर प्लान के कार्यान्वयन और लंबी अवधि के समय में स्टेशन पर रूफ प्लाजा और शहर के केंद्रों के निर्माण का लक्ष्य है. इस योजना का लक्ष्य निधियों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकता के आधार पर जहां तक संभव हो, हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करना होगा.यह योजना नई सुविधाओं की शुरूआत के साथ-साथ मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन और प्रतिस्थापन को पूरा करेगी. यह योजना उन स्टेशनों को भी शामिल करेगी जहां विस्तृत तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन किए गए हैं या किए जा रहे हैं, लेकिन रूफ प्लाजा के निर्माण का काम अभी तक शुरू नहीं किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि मास्टर प्लान को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए और संरचनाओं का स्थानांतरण किया जाए और चरणबद्ध योजनाओं में उपयोगिताओं पर अधिक बल दिया जा रहा है.

3. दक्षिण कोरिया में 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' का पहला मामला

दक्षिण कोरिया में नेगलेरिया फाउलेरी यानी 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) ने पुष्टि की है कि एक कोरियाई नागरिक, जिसकी थाईलैंड से लौटने के बाद मृत्यु हो गई थी, वह नेगलेरिया फाउलेरी से संक्रमित था। यह एक ऐसी बीमारी है, जो मानव मस्तिष्क को नष्ट कर देता है। दक्षिणपूर्व एशियाई देश में चार महीने रहने के बाद 50 वर्षीय व्यक्ति 10 दिसंबर को कोरिया वापस आया और अगले दिन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पिछले सप्ताह मंगलवार को उसका निधन हो गया।यह देश में इस बीमारी से होने वाला पहला मामला है, जिसे पहली बार 1937 में संयुक्त राज्य अमेरिका में दर्ज किया गया था। बता दें, नेगलेरिया फॉवलेरिया एक अमीबा है, जो आमतौर पर दुनिया भर में गर्म मीठे पानी की झीलों, नदियों, नहरों और तालाबों में पाया जाता है। अमीबा नाक के माध्यम से सांस में जाता है और फिर मस्तिष्क में समा जाता है।केडीसीए ने कहा कि नेगलेरिया फाउलेरी के मानव-से-मानव में फैलने की संभावनाएं कम हैं, लेकिन स्थानीय निवासियों को उन क्षेत्रों में जाने से परहेज करने के लिए कहा है, जहां बीमारी फैल गई है। अमेरिका, भारत और थाईलैंड सहित दुनिया में 2018 तक नेगलेरिया फाउलेरी के कुल 381 मामले दर्ज किए गए थे।

4. इंडियन ऑयल द्वारा उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शुरू की जाएगी सघन टीबी उन्मूलन परियोजना

क्षय रोग के खतरे का मुकाबला करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को सफल रूप से रेखांकित करते हुए इंडियनऑयल (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत केंद्रीय क्षय डिवीजन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। जिसके तहत उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य सघन टीबी उन्मूलन परियोजना आरम्भ की जाएगी। समझौता ज्ञापन सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से पांच साल पहले अर्थात वर्ष 2025 तक भारत में तपेदिक को समाप्त करने के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के

दृष्टिकोण को बल प्रदान करता है।केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं आवास व शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।इंडियनऑयल की ओर से, रंजन कुमार महापात्र, निदेशक (एचआर) ने विशाल चौहान, संयुक्त सचिव (नीति), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डॉ. धर्मेंद्र गहवाई, राज्य क्षय अधिकारी, छत्तीसगढ़ और डॉ. शैलेंद्र भटनागर, राज्य क्षय अधिकारी, उत्तरप्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।इस महत्वाकांक्षी अभियान के द्वारा संभावित क्षय रोग की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करने हेतु एक बहु-आयामी दृष्टिकोण का क्रियान्वयन और घर पर नैदानिक परीक्षणों का उपयोग करके यथाशीघ्र पहचान करेगा। ड्राइव का उद्देश्य उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोगों को मुफ्त क्षय उपचार, देखभाल और सहायता सेवाओं तक स्थायी और समान पहुंच प्रदान करना है।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, "मैं इंडियनऑयल और उसके शीर्ष नेतृत्व की हृदय से प्रशंसा करता हूं कि उन्होंने क्षय से लड़ने हेतु न केवल इस मील के पत्थर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की सक्रिय पहल की। बल्कि इसे ठोस कार्यान्वयन के बिंदु पर लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।स्वास्थ्य मंत्रालय और परिवार कल्याण इस दिशा में नए कदम उठा रहा है, अब, इंडियनऑयल के समर्थन के साथ, मुझे यकीन है कि इस बीमारी के खिलाफ मिशन को दृढ़ संकल्प और खाके के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।यह मील का पत्थर भारतीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रतिबद्धता का प्रमाण है भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सशक्त करने हेतु प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के साथ संरेखित किया जाना है।

5. आईआईटी रुड़की और दिल्ली एम्स ने बनाया 'स्वस्थ गर्भ' ऐप

रुड़की भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (Roorkee IIT) और दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (Delhi AIIMS) के शोधकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं को प्रसव से पहले देखभाल और वास्तविक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन 'स्वस्थ गर्भ' विकसित किया है. अधिकारियों के अनुसार गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सुविधा के लिए यह पहला ऐप है, जो डॉक्टर की सलाह तक तुरंत पहुंच प्रदान करता है. यह ऐप चिकित्सकीय रूप से समर्थित होने के साथ-साथ विश्वसनीय भी है और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण हो सकता है, जिनके पास डॉक्टरों तक आसान पहुंच नहीं है.आईआईटी-रुड़की के निदेशक के के पंत ने कहा, "कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में टेलीमेडिसिन की उपयोगिता सामने आई. स्मार्टफोन के दुनिया भर में एक अरब से अधिक उपयोगकर्ता हैं. इसमें चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र को बदलने और स्वास्थ्य सेवा में सुधार करने की जबरदस्त क्षमता है." ऐप का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर प्रसवपूर्व देखभाल सुविधा सुनिश्चित करना, हर क्लीनिकल टेस्ट की रिकॉर्डिंग करना और दवा संबंधी हिदायतों के पालन में सुधार करना है. आईआईटी-रुड़की के बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग विभाग के दीपक शर्मा ने कहा, "नवजातों में उच्च मृत्यु दर बेहद चिंता की बात है, स्वस्थ गर्भ मोबाइल ऐप सभी गर्भवती महिलाओं को वास्तविक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान करेगा और मातृ-भ्रूण के स्वास्थ्य में सुधार करेगा." दिल्ली एम्स की डीन (शोध) रमा चौधरी ने कहा, "गर्भावस्था में आम समस्याओं के संभावित समाधान प्रदान करने के लिए ऐप काफी उपयोगी होगा." उन्होंने आगे कहा, "हमारा लक्ष्य स्वस्थ गर्भ ऐप को हमारे देश के हर घर तक पहुंचाना है और इस तरह कीमती मातृ-भ्रूण जीवन की रक्षा करना है." उन्होंने बताया कि 150 रोगियों के क्लीनिकल मूल्यांकन ने प्रसवपूर्व देखभाल की गुणवत्ता में सुधार और जटिलताओं को कम करने में ऐप की उपयोगिता को प्रदर्शित किया.

6. सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों की वैश्विक सूची में भारतीय व्यंजन पांचवें स्थान पर

टेस्ट एटलस के अनुसार, भारत 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों की वैश्विक सूची में पांचवें स्थान पर है. यह रैंकिंग सामग्री, व्यंजन और पेय पदार्थों के लिए दर्शकों के वोटों पर आधारित है. इटली का खानपान पहले स्थान पर आया उसके बाद ग्रीस और स्पेन का स्थान रहा. रेटिंग में भारत को 4.54 अंक मिले हैं और देश के सर्वश्रेष्ठ रेटेड फूड्स में 'गरम मसाला, मलाई, घी, मक्खन, लहसुन नान, कीमा' शामिल हैं. इस लिस्ट में कुल 460 आइटम हैं.इसके अलावा, लिस्ट अनुसार, श्री ठाकर भोजनालय (मुंबई), करावल्ली (बेंगलुरु), बुखारा (नई दिल्ली), दम पुख्त (नई दिल्ली), कोमोरिन (गुरुग्राम) और 450 अन्य भारतीय व्यंजनों को आजमाने के लिए सबसे अच्छे रेस्तरां हैं. जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, तुर्की, फ्रांस और पेरू भी सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों वाले शीर्ष 10 देशों में शामिल थे. चीनी व्यंजन, जो दुनिया का सबसे लोकप्रिय व्यंजन है, सूची में 11वें स्थान पर है. । इसे 44 लाख से ज्यादा बार देखा गया. 44 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे टिप्पणी के साथ ट्वीट किया.हालांगी बड़ी संख्या में लोगों ने इस रैकिंग को सही नहीं माना. कुछ ने कहा कि उनके देश का भोजन किसी भी अन्य व्यंजन से बेहतर है.एक यूजर ने लिखा, 'अगर आपने कभी खाना नहीं खाया होता तो ये लिस्ट आपके सामने आती। ' एक अन्य ने लिखा, 'हाय, मुझे लगता है कि कोई गलती हुई है। इंग्लैंड किस वजह से इस सूची में है.' एक दूसरे शख्स ने लिखा,'बिल्कुल बकवास' .

7. केरल का निर्वाचन क्षेत्र धर्मदम भारत का पहला पूर्ण पुस्तकालय निर्वाचन क्षेत्र हुआ घोषित

धर्मदम, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के निर्वाचन क्षेत्र ने भारत में पूर्ण पुस्तकालय निर्वाचन क्षेत्र का स्थान हासिल किया है, जो भारत में पहला है। अपने फेसबुक पोस्ट में, विजयन ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के कुल 138 वार्डों में से 63 वार्डों में कोई पुस्तकालय नहीं था। इन वार्डों में भी पुस्तकालय खुलने से धर्मदाम को यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने लिखा, "निर्वाचन क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों के समर्थन से पूर्ण पुस्तकालयीकरण संभव हुआ। लोगों के संगठन, सामाजिक विकास के लिए पीपुल्स मिशन ने धर्मदाम निर्वाचन क्षेत्र में पुस्तकालयों की स्थापना और मौजूदा लोगों का विस्तार करने का काम किया है।" . अभी-अभी दिल्ली में शीतलहर का प्रकोप, घना कोहरा कम दृश्यता मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक प्रगति में स्थान इसलिए लोगों ने हर वार्ड में पुस्तकालय स्थापित करने की गतिविधियों को आगे बढ़ाया है. "संचालन को समेकित करने के लिए एक मिशन का गठन किया गया था। जिला पुस्तकालय परिषद और स्थानीय स्वशासी निकाय, जो मिशन का हिस्सा हैं, गतिविधियों में सक्रिय भागीदार बने," उन्होंने कहा। विजयन ने कहा कि उद्देश्य को लागू करने के लिए वार्ड और पंचायत स्तर पर बैठकें की गईं। उन्होंने कहा, "इसके लिए समितियों का गठन किया गया था। इन लोगों की समितियों ने गतिविधियों के लिए स्थानीय नेतृत्व प्रदान किया। सामाजिक विकास के लिए जन आंदोलन के माध्यम से पुस्तकालयों के निर्माण को पूरे केरल के लिए प्रेरणा बनने दें।"

8. आरईसी लिमिटेड द्वारा असम में मनाया जा रहा 'बिजली उत्सव '

बिजली महोत्सव सोमवार को चुमौकेदिमा और मोकोकचुंग जिलों में "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत शुरू हुआ। बिजली क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों को उजागर करने के लिए पूरे देश में बिजली महोत्सव मनाया जा रहा है। अधिक जनभागीदारी और बड़े पैमाने पर नागरिकों को बिजली क्षेत्र में विकास के बारे में जानकारी देने के लिए "उज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य - पावर @ 2047" की छतरी के नीचे मनाया जाने वाला महोत्सव।सोविमा ग्राम परिषद (एसवीसी) हॉल में कार्यक्रम के दौरान, चुमौकेदिमा, विशेष अतिथि, अज़ेतो झिमोमी, विधायक ने नागाओं से बिजली आपूर्ति का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया और समय पर बिजली बिलों का भुगतान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कहते हुए कि राज्य सरकार के तहत बिजली विभाग हमेशा घाटे में था, उन्होंने सभा से कहा कि उन्होंने जो कुछ भी इस्तेमाल किया है उसका भुगतान करें और ऊर्जा की चोरी न करने की अपील की।विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा न करने का अनुरोध करते हुए, अज़ेतो ने अधिकारियों से लोगों की भलाई और लाभ के लिए काम करने का भी आग्रह किया। ग्राम परिषदों के महत्व पर, उन्होंने एसवीसी को इसके अध्यक्ष सेबस्टियन जुमवु के नेतृत्व में राज्य में सबसे मेहनती ग्राम परिषदों में से एक माना।यह कहते हुए कि ग्राम परिषद ग्रामीणों के बीच विकास और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए अथक प्रयास कर रही है, उन्होंने चुमौकेदिमा के लिए मुख्यमंत्री, नेफ्यू रियो द्वारा दिए गए टैग को "अवसरों की भूमि" के रूप में भी बताया।इस संबंध में, अज़ेतो ने ग्रामीणों से अपील की कि वे एक साथ आएं और शांतिपूर्वक निवास करें, चाहे वे किसी भी जनजाति या कुलों के हों।मुख्य भाषण देते हुए, प्रबंधक (सिविल), नॉर्थ ईस्ट इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको), ईआर। जाचामो ओवुंग ने बताया कि देश भर में 25-30 जुलाई तक 670 जिलों में बिजली महोत्सव मनाया जाएगा और बताया कि राज्य के सभी 16 जिलों में से प्रत्येक में दो-दो समारोह आयोजित किए जाएंगे।बिजली आपूर्ति और उत्पादन के संबंध में भारत सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि 2015 से पहले ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन केवल 12 घंटे बिजली मिलती थी.जाचामो ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन 22.5 घंटे बिजली मिलती है। उन्होंने कहा कि भारत के पास अब बिजली अधिशेष है और वह "पड़ोसी देशों को बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए तैयार है।" उन्होंने कहा कि देश भर में 40% बिजली का उपयोग अक्षय ऊर्जा से होता है और इस तरह, उन्होंने कहा कि भारत अक्षय ऊर्जा के माध्यम से बिजली पैदा करने वाले देशों के मामले में चौथे स्थान पर है।ज़ाचामो ने कहा कि पूर्वोत्तर में 43 प्रतिशत बिजली की मांग नीपको द्वारा की गई थी और यह कुछ वर्षों में पूरे उत्तर पूर्व में 100% बिजली की मांग को पूरा करने में सक्षम होगा।

ONE LINER

16 जनवरी से 26 जनवरी, 2023 तक भारत किस देश के साथ द्विपक्षीय हवाई अभ्यास, "वीर गार्जियन 23" आयोजित करेगा – जापान

हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की किसी भी फ्रेंचाइजी द्वारा खरीदा जाने वाला अब तक का सबसे महंगा क्रिकेटर कौन बन गया है - सैम कुर्रन

कौन सा देश दिसंबर 2022 में विदेशी व्यापार के लिए भारतीय रुपये (INR) का उपयोग करने पर सहमत हो गया है – श्रीलंका

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत का पहला ग्रीन स्टील ब्रांड "कल्याणी फेरेस्टा" कहाँ लॉन्च किया - नई दिल्ली

किस बैंक ने बचत खातों पर शून्य शुल्क बैंकिंग की घोषणा की है और आम तौर पर उपयोग की जाने वाली 25 बैंकिंग सेवाओं पर शुल्क माफ कर दिया है - IDFC फर्स्ट बैंक

हाल ही में प्रकाशमय '15 वें इनर्टिया अवार्ड्स 2022' में 'भारत की सर्वश्रेष्ठ वैश्विक प्रतिस्पर्धी विद्युत् कंपनी' का विजेता किसे घोषित किया गया - NHPC लिमिटेड

हाल ही में किसने सरकारी क्षेत्र में डेटा सुरक्षा परिषद् का सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा कार्यप्रणाली पुरस्कार जीता है – UIDAI

हाल ही में सित्विनी राबुका को किस देश का नया प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया है – फिजी

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रबंधन और संसाधन राज्य के उप सचिव के रूप में किसे नामित किया - रिचर्ड आर. वर्मा

QUIZ

1. G20 डिजिटल इनोवेशन एलायंस (G20-DIA) शिखर सम्मेलन का आयोजन किस शहर में किया जायेगा?

(a) बैंगलोर

(b) नई दिल्ली

(c) अहमदाबाद

(d) मुंबई

Explanation - : बैंगलोर भारत की G20 प्रेसीडेंसी के तहत केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने "G20 डिजिटल इनोवेशन एलायंस" (G20-DIA) लॉन्च किया है. G20-DIA शिखर सम्मेलन का आयोजन बैंगलोर में डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप (डीईडब्ल्यूजी) की बैठक के दौरान किया जायेगा. इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण सेक्टर के शीर्ष नामांकित स्टार्टअप शामिल होंगे. G20 डिजिटल इनोवेशन एलायंस (G20-DIA) का उद्देश्य G20 देशों के साथ साथ गेस्ट राष्ट्रों से नई टेक्नोलॉजी और इनोवेशन आइडियाज, स्टार्टअप्स आइडियाज को लेना और उन्हें सक्षम बनाना है.

2. भारत ने 'मंगदेछु हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट' भूटान को हैंडओवर कर दिया है, यह कितने मेगावाट का प्रोजेक्ट है?

(a) 720 मेगावाट

(b) 500 मेगावाट

(c) 1024 मेगावाट

(d) 1200 मेगावाट

Explanation - : 720 मेगावाट भूटान में भारत की सहायता से तैयार किया गया 720 मेगावाट मंगदेछु हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भूटान की ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (DGPC) को सौंप दिया गया है. 720 मेगावाट की इस परियोजना का कंस्ट्रक्शन वर्ष 2012 में शुरू किया गया था. इसका उद्घाटन पीएम मोदी ने अपने भूटानी समकक्ष लोटे त्शेरिंग (Lotay Tshering) के साथ 2019 में किया था. यह एक रन-ऑफ-रिवर पावर प्लांट है. जो मध्य भूटान के ट्रोंगसा ज़ोंगखग (Trongsa Dzongkhag) जिले में मंगदेछु नदी पर बनाया गया है.

3. नितिन मनमोहन का आज निधन हो गया, वह किस क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति थे?

(a) जर्नलिज्म

(b) पॉलिटिक्स

(c) फिल्म इंडस्ट्री

(d) साइंस

Explanation - : फिल्म इंडस्ट्रीप्रसिद्ध फिल्ममेकर नितिन मनमोहन का आज मुंबई में निधन हो गया. वह 62 वर्ष के थे. उन्होंने जूही चावला और ऋषि कपूर की 1992 की फिल्म 'बोल राधा बोल' जैसी हित फिल्मों का निर्माण किया था. नितिन ने 1997 में फिल्म पृथ्वी के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की थी. वह 1990 में आई रोमांटिक एक्शन फिल्म महा संग्राम के राइटर भी थे.

4. इंडियन आर्मी ने पहले 3-D प्रिंटेड हाउस का उद्घाटन किस शहर में किया है?

(a) अहमदाबाद

(b) देहरादून

(c) ईटानगर

(d) श्रीनगर

Explanation - : इंडियन आर्मी नें अहमदाबाद कैंट क्षेत्र में सैनिकों के लिए अपनी पहली 3-D प्रिंटेड हाउस ड्वेलिंग (3-D Printed House Dwelling) यूनिट का उद्घाटन किया. इसका निर्माण मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज ने एमआईसीओबी (MiCoB) प्रा. लिमिटेड के सहयोग से किया है. यह घर ग्रीन जोन मानकों और जोन-3 अर्थक्वेक मानक के आधार पर तैयार किया गया है. इसके निर्माण में नवीनतम 3D रैपिड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है.

5. नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (NMMS) किस केंद्रीय मंत्रालय की एक पहल है?

(a) आवास और शहरी विकास मंत्रालय

(b) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

(c) रक्षा मंत्रालय

(d) ग्रामीण विकास मंत्रालय

Explanation - : ग्रामीण विकास मंत्री ने 2021 में राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी सॉफ्टवेयर (NMMS) ऐप लॉन्च किया। 1 जनवरी, 2023 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGREGS) के तहत कार्यरत कर्मचारियों को अपनी उपस्थिति डिजिटल रूप से दर्ज करने की आवश्यकता होगी। इसमें उपस्थिति को ट्रैक करने के लिए नेशनल स्मार्टफोन मॉनिटरिंग सिस्टम (NMMS) मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जाता है।

6. किस केंद्रीय मंत्रालय ने 'सिटी फाइनेंस रैंकिंग 2022' लॉन्च की है?

(a) वित्त मंत्रालय

(b) कारपोरेट कार्य मंत्रालय

(c) एमएसएमई मंत्रालय

(d) आवास और शहरी कार्य मंत्रालय

Explanation - : केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री द्वारा हाल ही में वित्तीय प्रदर्शन और सुंदरता के आधार पर एक नई शहर रैंकिंग प्रणाली के लिए मसौदा नियमों की घोषणा की गई थी। 'सिटी फाइनेंस रैंकिंग 2022' का लक्ष्य शहरी स्थानीय सरकारों को उनके संसाधन जुटाने, खर्च करने के प्रदर्शन और वित्तीय प्रशासन प्रणालियों के आधार पर मूल्यांकन और पुरस्कृत करना है।

7. रेल मंत्रालय के स्टेशन पुनर्विकास अभियान के तहत घोषित नई योजना का नाम क्या है?

(a) आत्मानिर्भर भारत स्टेशन योजना

(b) अमृत भारत स्टेशन योजना

(c) भारत रेल स्टेशन योजना

(d) अटल स्टेशन योजना

Explanation - : रेल मंत्रालय ने अगले कुछ वर्षों में 1,000 से अधिक छोटे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए एक नई योजना तैयार की है। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' इसकी स्टेशन पुनर्वास पहल का एक घटक है। जिसमें रूफटॉप प्लाजा, बड़े प्लेटफॉर्म, गिट्टी रहित पटरियां और 5G कनेक्शन प्रस्तावित स्टेशनों की प्राथमिक विशेषताओं में से हैं।